

THE MARKET

DON'T PREDICT MARKET.
JUST UNDERSTAND IT.



WITH UPDATED CHARTS
AND PATTERNS

BEST SELLING BOOK NOW AVILABLE IN E-BOOK FORMAT

INDEX

कम पैसे में शेयर बाजार में निवेश कैसे करें?

भारत में सबसे ज्यादा लाभांश देने वाले शेयरों की सूची:

तकनीकी विश्लेषण

डॉव सिद्धांत:

इलियट वेव थ्योरी

मूविंग एवरेज (एमए):

बोलिंगर बैंड:

फाइबोनैचि रिट्रेसमेंट:

मूविंग एवरेज कन्वर्जेंस एंड डाइवर्जेंस (एमएसीडी):

औसत दिशात्मक सूचकांक (ADX):

फ्यूचर्स ट्रेडिंग की विशेषताएं:

किसी को निवेश क्यों करना चाहिए?

फ्यूचर्स ट्रेडिंग की विशेषताएं:

चार्ट प्रकार और पैटर्न:

बार चार्ट:

कैंडलस्टिक चार्ट:

स्टॉक विश्लेषण

निवेश करने से पहले स्टॉक का विश्लेषण कैसे करें:

किसी स्टॉक का मौलिक विश्लेषण कैसे करें?

इंट्राडे के लिए स्टॉक का विश्लेषण कैसे करें:

कॉल ऑप्शन और पुट ऑप्शन

इंट्राडे ट्रेडिंग टिप्स

शेयर बाजार की मूल बातें

शेयर बाजार में निवेश कैसे करें?

लार्ज कैप स्टॉक:

स्मॉल कैप स्टॉक्स:

शेयर बाजार का समय

प्री-ओपन सेशन

शेयर बाजार खुलने का समय

शेयर बाजार बंद होने का समय

कम पैसे में शेयर बाजार में निवेश कैसे करें?

बहुत से लोग निवेश करना बंद कर देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि शेयर बाजार में निवेश शुरू करने के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है। लेकिन, यह सच नहीं है। आप अपना निवेश केवल रु. से कम से शुरू कर सकते हैं। 500/- प्रति माह। संपत्ति बनाने की कुंजी अच्छी आदतें विकसित करना है जैसे कि हर महीने शेयर बाजार में नियमित रूप से छोटी राशि का निवेश करना। यदि आप नियमित रूप से निवेश करने की आदत बनाते हैं तो आप भविष्य में बहुत मजबूत वित्तीय स्थिति में होंगे।

आपके मन में यह प्रश्न आ सकता है कि कम पैसे में शेयर बाजार में प्रवेश कैसे करें?

कम पैसे से निवेश शुरू करने के कई तरीके हैं और ऑनलाइन और ऐप आधारित प्लेटफॉर्म की मदद से इसे काफी आसान बना दिया है, आपको बस कहीं से शुरुआत करनी है। बस नीचे दिए गए चरणों का पालन करें और सीखें कि भारतीय शेयर बाजार में कम पैसे में कैसे निवेश करें:

- तय करें कि आप शेयरों में कैसे निवेश करना चाहते हैं
 - निवेश के लिए अपना लक्ष्य जानें
 - एक निवेश खाता यानि डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलें
 - अपने स्टॉक निवेश के लिए एक बजट निर्धारित करें
 - शेयर बाजार की मूल बातें जानें
 - निवेश शुरू करें
-

शुरुआती लोगों के लिए कम पैसे में शेयरों में निवेश कैसे करें?

यहां कुछ युक्तियां दी गई हैं जिनका पालन शुरुआती लोगों को करना चाहिए:

दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करें:

निवेश करने से पहले आपको अपना लक्ष्य और भविष्य में संभावित समय के बारे में पता होना चाहिए कि आपको फंड की आवश्यकता हो सकती है। शेयर बाजार में लंबी अवधि के लिए निवेश करने से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

कमी के लिए मेकअप करें:

नियमित रूप से निवेश करने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। आपको केवल नियमित और सुसंगत रहने की आवश्यकता है। एक नियमित राशि की बचत आपको लाभदायक बना सकती है। यदि आप इस सप्ताह निर्धारित समय में बचत नहीं कर पाए तो अगले सप्ताह इसकी भरपाई कर लें।

अपनी जोखिम सहनशीलता को समझें:

जोखिम सहने की क्षमता जोखिम के बारे में किसी की धारणा से भी प्रभावित होती है क्योंकि अपनी जोखिम सहनशीलता को समझकर, आप उन निवेशों से बच सकते हैं जो आपको चिंतित करने की संभावना रखते हैं।

अपनी भावनाएं नियंत्रित करें:

जब आप पहली बार शेयर बाजार में निवेश करना शुरू करते हैं तो आप भावुक और अभिभूत हो जाते हैं क्योंकि अच्छा रिटर्न आपको खुश कर सकता है लेकिन पैसा खोने से चोट लग सकती है। अपनी भावनाओं के आधार पर कभी भी अपना निवेश न करना सीखें।

पहले मूल बातें संभालें:

शेयर बाजार के बारे में मूल बातें जानने के लिए समय निकालें और बाजार की रचना करने वाली व्यक्तिगत प्रतिभूतियां ज्ञान और जोखिम सहनशीलता के रूप में जुड़ी हुई हैं- जोखिम यह नहीं जानने से आता है कि आप क्या कर रहे हैं।

अपने निवेश में विविधता लाएं:

निवेश विविधीकरण आपके पैसे को प्रतिकूल शेयर बाजार की स्थितियों से बचाता है क्योंकि जब निवेश की बात आती है, तो जानकारी धन प्रबंधकों द्वारा यह सलाह दी जाती है कि निवेशकों को विभिन्न परिसंपत्तियों में पैसा निवेश करना चाहिए यानी अपने निवेश में विविधता लाना चाहिए। यह एक बाजार झपट्टा में सभी संपत्तियों को खोने से बचाता है।

वास्तविक बनो:

जल्दी रिटर्न कमाने की उम्मीद में कभी भी निवेश न करें, बेहतर होगा कि धैर्य रखें और अपना निवेश शुरू करें।

म्यूचुअल फंड में SIP के जरिए निवेश करें:

एमएफ एक दीर्घकालिक निवेश है जो विभिन्न प्रतिभूतियों में निवेश करता है और यदि लंबी अवधि के लिए निवेश किया जाता है तो धन का निर्माण होता है। निवेश सिर्फ रुपये से शुरू होता है। 500 प्रति माह।

शेयर बाजार का समय - जानिए भारत में शेयर बाजार के खुलने और बंद होने का समय

शेयर बाजार में निवेश शुरू करने से पहले एक व्यापारी या निवेशक को कई बुनियादी बातों की जानकारी होनी चाहिए। शेयरों में निवेश एक बहुत ही दिलचस्प बात है और यह सब समय के बारे में है। एक शेयर की कीमत कुछ ही समय में अचानक बढ़ सकती है और इसी तरह कीमत कुछ ही समय में गिर सकती है। सही निर्णय लेने के लिए शेयरों पर लगातार नजर रखनी चाहिए।

एक निवेशक के रूप में, आपको शेयर बाजार के समय के बारे में विस्तार से पता होना चाहिए। यह एक देश से दूसरे देश में भिन्न होता है क्योंकि अलग-अलग समय क्षेत्र होते हैं। मुद्रा बाजार या विदेशी मुद्रा 24 घंटे का बाजार है जबकि इक्विटी बाजार का समय अलग है। शेयर बाजार केवल सोमवार से शुक्रवार तक खुला रहता है और अन्य विशिष्ट दिन होते हैं जब शेयर बाजार बंद रहता है। जब तक आप शेयर बाजार के खुले समय और शेयर बाजार के बंद होने के समय जैसे शेयर बाजार के समय को नहीं जानते, आप बाजार से बेहतर रिटर्न प्राप्त करने के लिए अपने समय और धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर सकते।

शेयर बाजार में ट्रेडिंग का समय सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे के बीच है। इक्विटी सेगमेंट के लिए बाजार का समय नीचे दिया गया है:

1) प्री-ओपन सेशन

आदेश प्रविष्टि और संशोधन खुला: 09:00 बजे

आदेश प्रविष्टि और संशोधन बंद करें: 09:08 बजे.

अंतिम एक मिनट में यादृच्छिक रूप से बंद होने के साथ। प्री-ओपन ऑर्डर का मिलान प्री-ओपन ऑर्डर एंट्री के बंद होने के तुरंत बाद शुरू होता है।

2) शेयर बाजार खुलने का समय

सामान्य/सीमित भौतिक बाजार खुला: 09:15 बजे

सामान्य / सीमित भौतिक बाजार बंद: 15:30 बजे

ब्लॉक डील सत्र का समय:

मॉर्निंग ब्लॉक डील विंडो: यह विंडो 08:45 AM से 09:00 AM के बीच काम करेगी।

दोपहर ब्लॉक डील विंडो: यह विंडो दोपहर 02:05 बजे से दोपहर 2:20 बजे के बीच संचालित होगी।

3) शेयर बाजार बंद होने का समय 15.40 बजे से 16.00 बजे के बीच है.

आप अपने सभी ट्रेडों को सही समय पर तभी निष्पादित कर सकते हैं जब आप शेयर बाजार के खुलने और बंद होने के समय को जानते हों। शेयर बाजार के खुलने और बंद होने के समय का बहुत महत्व होता है क्योंकि यह वह समय होता है जब शेयर की कीमत उच्च या निम्न होती है। खुली कीमत बाजार खुलने पर शेयर की कीमत होती है और बाजार बंद होने पर बंद कीमत होती है। शेयर की उच्च और निम्न कीमत उच्चतम स्तर और निम्नतम स्तर को संदर्भित करती है जो शेयर एक दिन में प्राप्त करता है। हालांकि बाजार दोपहर 3.30 बजे तक बंद हो जाता है, कुछ ब्रोकरेज आपको अगले दिन के लिए एएमओ (आफ्टर मार्केट ऑर्डर) के माध्यम से ट्रेड ऑर्डर देने की अनुमति देते हैं, जो कि बाजार के घंटों के बाद भी होता है।

एक निवेशक के रूप में आपको शेयर बाजार की छुट्टियों के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि सही समय पर और सही तरीके से अवसर को भुनाया जा सके। दिवाली पर, हर साल व्यापार के लिए मुहूर्त सत्र नामक एक विशेष सत्र होता है। चूंकि मोबाइल ट्रेडिंग ऐप्स इन दिनों बहुत लोकप्रिय हो गए हैं, आप बिना किसी कठिनाई के कहीं से भी व्यापार कर सकते हैं। आप बाजार के घंटों के दौरान अपने स्मार्टफोन के माध्यम से शेयरों की खरीद या बिक्री जैसे व्यापार आदेशों को आसानी से निष्पादित कर सकते हैं या आप अपने व्यापार आदेशों को निष्पादित करने के लिए इक्विटी सलाहकारों की मदद ले सकते हैं।

इंट्राडे ट्रेडिंग टिप्स

शेयर बाजार में ट्रेडिंग का क्या मतलब है?

हम में से ज्यादातर लोग शेयर बाजार में व्यापार करने से हिचकिचाते हैं। और यह मुख्य रूप से अनावश्यक आशंकाओं और शंकाओं के कारण होता है। इस लेख में, आइए जानते हैं कि पहले ट्रेडिंग कैसे करें, विशेष रूप से शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग और सर्वोत्तम इंट्राडे ट्रेडिंग टिप्स भी। ट्रेडिंग या तो शेयरों को खरीदने या बेचने के कार्य को संदर्भित करता है और यह आमतौर पर एक निवेशक के विपरीत बहुत कम समय में मुनाफा कमाने के लिए किया जाता है जो बहुत लंबे समय तक शेयर बाजार में निवेशित रहता है। सभी ट्रेड ट्रांजैक्शन एक्सचेंज पर होते हैं और ब्रोकर आपके बीच एक्सचेंज में मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है।

कोई व्यापार क्यों करता है?

कंपनियों द्वारा पूंजी के अभाव में आम जनता को शेयर बेचे जाते हैं। व्यापारी द्वितीयक बाजार में शेयर खरीदते और बेचते हैं। बाजार ऊपर और नीचे जाते हैं और इसलिए स्टॉक करते हैं। "कम खरीदें और उच्च बेचें" का व्यापार करते समय अधिकांश व्यापारी अनुसरण करते हैं। कम कीमत पर शेयर खरीदने और बाद में उन्हें अधिक कीमत पर बेचने से लाभ होता है। अटकलें वही हैं जो बाजार को आगे बढ़ाती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यापारी को लगता है कि किसी कारण से उसके शेयर की कीमत बढ़ सकती है, तो वह उस स्टॉक को कम कीमत पर खरीदता है और जब शेयर के बारे में वास्तविक समाचार समाप्त हो जाता है, तो शेयर को अधिक कीमत पर बेच देता है। में मांग पर।

एक व्यापारी को स्टॉक खरीदने, बेचने या रखने के संबंध में सही निर्णय लेने के लिए बाजारों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करना पड़ता है। एक निवेशक के रूप में, कंपनी के ईपीएस, पीई अनुपात, व्यवसाय की स्थिरता आदि को जानकर कंपनी का विश्लेषण करने के लिए अधिक इच्छुक है। जबकि एक व्यापारी कंपनी के तकनीकी पहलुओं पर अधिक ध्यान देता है। मिनट, घंटे आदि पर आधारित तकनीकी चार्ट हैं जो आपको यह समझने देंगे कि स्टॉक की कीमत कैसे चलती है।

कुछ लोग व्यापार को अपने पेशे के रूप में लेते हैं जबकि कुछ इसे अपने अंशकालिक जुनून के रूप में करते हैं। हानि और लाभ व्यापार का हिस्सा हैं; इसलिए किसी को अच्छी रणनीतियों द्वारा समर्थित विश्वास के साथ व्यापार करना होगा। बाजार विभिन्न कारकों जैसे आर्थिक डेटा, राजनीतिक अनिश्चितता, व्यापार युद्ध आदि पर प्रतिक्रिया करता है और व्यापारी इन प्रवृत्तियों को भुनाकर लाभ कमाते हैं। cs या तो उच्च रिटर्न देते हैं या नकारात्मक रिटर्न देते हैं।

रक्षात्मक स्टॉक क्या हैं?

रक्षात्मक स्टॉक अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से प्रभावित नहीं होते हैं। वे नियमित लाभांश आय प्रदान करते हैं। ये स्टॉक मंदी के समय में आपके निवेश को सुरक्षित रखने में आपकी मदद करते हैं। यदि आप एक बहुत ही रूढ़िवादी निवेशक हैं जिसकी मुख्य प्राथमिकता सुरक्षा है, तो आप रक्षात्मक शेयरों में निवेश करना चुन

सकते हैं। आप रक्षात्मक शेयरों से असाधारण रिटर्न की उम्मीद नहीं कर सकते क्योंकि वे केवल सुरक्षित हेवन स्टॉक के रूप में कार्य करते हैं। यदि आप बाजार में नवागंतुक हैं, तो आप शुरुआती चरण में इन शेयरों में निवेश करना शुरू कर सकते हैं क्योंकि अस्थिरता कम है और ये स्टॉक आपको रातों की नींद हराम नहीं करेंगे। रक्षात्मक स्टॉक अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के बावजूद हर समय स्थिर रिटर्न देते हैं।

एक निवेशक के पोर्टफोलियो में चक्रीय और रक्षात्मक दोनों तरह के शेयरों का मिश्रण होना चाहिए और केवल यह जोखिम को कम करने और नुकसान को कम करने में मदद करेगा।

कौन व्यापार कर सकता है?

कोई भी व्यापार कर सकता है और आमतौर पर जोखिम लेने वाले लोग निवेश करने के बजाय व्यापार करना पसंद करते हैं क्योंकि यह आमतौर पर लंबी अवधि के दृष्टिकोण के साथ धन सृजन के लिए किया जाता है। जो लोग नियमित आय या पूंजी की सुरक्षा प्राप्त करना चाहते हैं वे व्यापार में उद्यम नहीं करते हैं। जोखिम अधिक होने के कारण ट्रेडिंग में रिटर्न भी अधिक होता है। ट्रेडिंग करते समय गलती करने की चिंता नहीं करनी चाहिए। क्योंकि समय के साथ ये गलतियां ही आपको विशेषज्ञ बना देंगी।

आपको व्यापार करने की क्या आवश्यकता है?

शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने के लिए आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की आवश्यकता होती है। यह खाता सेबी में पंजीकृत किसी भी ब्रोकर या डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ आसानी से ऑनलाइन खोला जा सकता है। वह है जो आपके शेयरों को इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में संग्रहीत करता है, और आप शेयर खरीदने के लिए अपने बैंक खाते से अपने ट्रेडिंग खाते में धन हस्तांतरित कर सकते हैं। आमतौर पर सेटलमेंट यानी शेयरों या पैसे को जमा करना और शेयरों या पैसे को डेबिट करना 2 दिनों में होता है, इसलिए इसे टी + 2 सेटलमेंट कहा जाता है।

ट्रेडिंग करते समय महत्वपूर्ण मान्यताओं को जानना चाहिए:

1. मूल्य छूट सब कुछ:

इसका मतलब यह है कि किसी शेयर का बाजार मूल्य राजनीतिक समाचार, मैक्रो और माइक्रोइकॉनॉमिक डेटा आदि जैसी विभिन्न सूचनाओं को दर्शाता है।

2. प्रवृत्तियों में मूल्य चाल:

स्टॉक की कीमत अचानक अनिश्चित रूप से नहीं बढ़ेगी; यह आमतौर पर एक ही पैटर्न का पालन करता है।

3. इतिहास खुद को दोहराता है:

चूंकि बाजार डर या लालच से संचालित होते हैं, स्टॉक मूल्य आंदोलन के पैटर्न आमतौर पर दोहराए जाते हैं।

ट्रेडिंग करते समय नुकसान कैसे कम करें?

स्टॉप लॉस उन रणनीतियों में से एक है जिसका उपयोग व्यापार करते समय किया जाना चाहिए। इससे आपको अपना नुकसान कम करने में मदद मिलेगी। इस रणनीति के द्वारा, आपका स्टॉक बिक जाता है यदि वह एक स्तर से नीचे पहुँच जाता है जिससे आपका नुकसान और भी अधिक हो जाएगा।

आइए इंट्राडे ट्रेडिंग टिप्स के बारे में विस्तार से चर्चा करें

1. उचित रणनीति बनाएं:

कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर तेजी से मुनाफा कमाने के लिए ट्रेडिंग की जाती है। स्टॉक में ट्रेड केवल यह जानने के बाद करें कि आप ट्रेडिंग के लिए कितनी राशि का उपयोग कर सकते हैं और आप कितना नुकसान उठा सकते हैं। झुंड की मानसिकता न रखें और उचित शोध के बाद ही सभी निर्णय लें

2. जोखिम प्रबंधन :

स्टॉप लॉस और अन्य तरीकों का उपयोग करें जो आपको जोखिम का प्रबंधन करने में मदद करते हैं। इन रणनीतियों के बिना, आपका नुकसान अधिक हो सकता है।

3. अद्यतन रहें:

बाजार के रुझानों, तकनीकों आदि से खुद को अपडेट रखें। ट्रेडिंग पर बहुत कुछ पढ़ने की आदत विकसित करें। एक स्मार्ट और सफल ट्रेडर बनने के लिए लगातार पढ़ना और अपडेट रहना आवश्यक है।

4. अकेले पैसे पर फोकस न करें:

यदि आप या तो पैसे खोने से डरते हैं या पैसे कमाने के बहुत लालची हैं, तो आप हारे हुए होंगे। सही रणनीतियों पर ध्यान दें जो जोखिम को कम करके आपको लाभ प्राप्त करने में मदद करेंगी।

5. घबराएं नहीं:

नुकसान से कभी घबराएं नहीं। नुकसान ट्रेडिंग का हिस्सा है और आपको बाजार से बाहर निकलने के बजाय अपनी गलतियों का विश्लेषण करना चाहिए

6. कुछ शेयरों पर ध्यान दें:

एक बार में बहुत अधिक स्टॉक में ट्रेड न करें। जैसा कि आपको प्रत्येक स्टॉक के तकनीकी चार्ट की जांच करनी चाहिए ताकि उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव को समझा जा सके।

7. बुकिंग लाभ:

जब भी आप अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं, तो आपको मुनाफावसूली अवश्य करनी चाहिए; कभी भी लालची मत बनो।

8. उच्च तरलता वाले शेयर चुनें:

आपको केवल उन्हीं शेयरों का चयन करना चाहिए जिनका कारोबार अधिक मात्रा में होता है।

9. तकनीकी चार्ट का प्रयोग करें:

एक ट्रेडर के रूप में, आपको यह जानने के लिए मिनट या घंटे के आधार पर तकनीकी चार्ट का उपयोग करना चाहिए कि स्टॉक कैसे चलता है।

10. अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें:

व्यापार करते समय भावनाएँ आपको बुरे निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। तर्क के आधार पर निर्णय लें।

11. केवल अफवाहों के आधार पर व्यापार न करें

आपके निर्णय उचित शोध और तथ्यों द्वारा समर्थित होने चाहिए। अफवाहों के आधार पर कार्य करने से आपको धन की हानि होगी।

12. मोबाइल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके स्व-व्यापार:

आप मोबाइल ट्रेडिंग ऐप्स का उपयोग करके कभी भी और कहीं से भी ट्रेड कर सकते हैं। यह व्यापार करने का सबसे चतुर तरीका है। आपको किसी भी व्यापार लेनदेन के लिए हर समय दलालों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। मोबाइल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के साथ, आप खरीद या बिक्री के आदेश दे सकते हैं और कभी भी अपने पोर्टफोलियो की निगरानी कर सकते हैं।

13. सीखते रहें:

एक विशेषज्ञ व्यापारी बनने के लिए ट्रेडिंग रणनीतियों, मुफ्त इंटराडे टिप्स आदि के बारे में अधिक पढ़ने की आदत विकसित करें।

14. पर्याप्त समय दें:

ट्रेडिंग के लिए निरंतर शोध और स्मार्ट निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। इस उद्देश्य के लिए उचित समय देना चाहिए अन्यथा यह नुकसान में ही समाप्त होगा।

15. इंटराडे स्टॉक टिप्स:

कई वेबसाइटें हैं जो मुफ्त इंटराडे ट्रेडिंग टिप्स प्रदान करती हैं। सही कदम उठाने के लिए इन्हें पढ़ना चाहिए.

कॉल ऑप्शन और पुट ऑप्शन

डेरिवेटिव्स का उपयोग मुख्य रूप से हेजिंग उद्देश्य के लिए किया जाता है और आइए हम इस लेख में ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट के बारे में पढ़ें जो एक प्रकार का डेरिवेटिव है। लोग मुख्य रूप से जोखिम कम करने के लिए विकल्प अनुबंधों में प्रवेश करते हैं। विकल्प अनुबंध खरीदार को एक विशिष्ट कीमत पर अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का अधिकार है। लेकिन इसके साथ कोई बाध्यता नहीं जुड़ी है। विकल्प अनुबंध विक्रेता के पास विकल्प अनुबंध खरीदार के निर्णय के अनुसार अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का दायित्व है। ऑप्शंस 2 प्रकार के होते हैं, कॉल ऑप्शन और पुट ऑप्शन। आइए इस लेख में कॉल ऑप्शन और पुट ऑप्शन के बीच के अंतर के बारे में विस्तार से जानें। इससे पहले आपको स्ट्राइक प्राइस, स्पॉट प्राइस, प्रीमियम, एक्सपायरी डेट जैसी कुछ शर्तें जाननी चाहिए।

स्ट्राइक प्राइस: जिस कीमत पर कॉन्ट्रैक्ट के खरीदार और विक्रेता के बीच कॉन्ट्रैक्ट किया जाता है, स्ट्राइक प्राइस होता है।

स्पॉट प्राइस: वह कीमत जिस पर एसेट कैश मार्केट में ट्रेड करती है। यानी मौजूदा बाजार भाव।

प्रीमियम: यह वह राशि है जिसका भुगतान अनुबंध के खरीदार को अनुबंध के विक्रेता को करना होता है।

समाप्ति तिथि: यह विकल्प अनुबंध की अंतिम तिथि है जिसके पहले विकल्प खरीदार अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने के लिए अपने विकल्प का उपयोग कर सकता है।

अनुबंध चक्र: आमतौर पर, अनुबंध चक्र 3 महीने का होता है जो विशेष अनुबंध माह के अंतिम गुरुवार को समाप्त होता है।

कॉल करने का विकल्प

अनुबंध के हमेशा दो पक्ष होते हैं और इस मामले में यह एक कॉल विकल्प खरीदार और एक कॉल विकल्प विक्रेता होता है। कॉल ऑप्शन खरीदार को एक विशिष्ट कीमत पर अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने का अधिकार है। लेकिन उसका कोई दायित्व नहीं है जबकि कॉल ऑप्शन विक्रेता के पास कॉल ऑप्शन खरीदार के निर्णय के अनुसार अनुबंध को बेचने का दायित्व है। इसे हम एक उदाहरण से सरल तरीके से समझेंगे। मिस्टर ए, मिस्टर बी से कॉल ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट खरीदता है जिसमें विशेष अंतर्निहित परिसंपत्ति का स्ट्राइक मूल्य रु। 500. यदि विशेष संपत्ति का हाजिर मूल्य रु। 1000, तो श्रीमान ए श्री बी से संपत्ति खरीदना पसंद करेंगे और इसे बाजार में रुपये पर बेचेंगे। 1000 जिससे रुपये का लाभ कमाया। 500. लेकिन अगर हाजिर कीमत रुपये हो जाती है। 800, श्री ए, श्री बी के बजाय बाजार से विशेष संपत्ति खरीदेंगे। कॉल खरीदार को कॉल विक्रेता को प्रीमियम का भुगतान करना होगा। कॉल खरीदार को सीमित नुकसान का सामना करना पड़ता है क्योंकि उसका नुकसान उसके द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम तक सीमित है लेकिन कॉल विक्रेता के मामले में नुकसान असीमित है।

विकल्प डाले

कॉल ऑप्शन की तरह, यहां भी दो पार्टियां हैं जैसे पुट बायर और पुट सेलर। पुट ऑप्शन खरीदार को अंतर्निहित परिसंपत्ति को बेचने का अधिकार है जबकि पुट ऑप्शन विक्रेता को इसे खरीदने का दायित्व है। पुट ऑप्शन खरीदार के मामले में नुकसान प्रीमियम तक सीमित है जबकि पुट ऑप्शन विक्रेता को असीमित नुकसान हो सकता है। आइए इसे एक उदाहरण से देखते हैं। श्री अजय को लगता है कि किसी विशेष स्टॉक की कीमत कम हो जाएगी और इसलिए एक पुट ऑप्शन अनुबंध खरीदता है। वह पुट ऑप्शन विक्रेता श्री कुमार को प्रीमियम का भुगतान करता है और अनुबंध खरीदता है। अगर उसने रुपये पर अनुबंध में प्रवेश किया था। 1000 लेकिन स्टॉक का हाजिर मूल्य रु। 700. इस स्थिति में, श्री अजय पुट ऑप्शन विक्रेता को अनुबंध को रुपये में बेच देंगे। 1000 और रुपये का लाभ कमाते हैं।

सरल शब्दों में, कॉल ऑप्शन खरीदार और पुट ऑप्शन विक्रेता बुलिश हैं जबकि पुट ऑप्शन खरीदार और कॉल ऑप्शन विक्रेता मंदी वाले हैं। ऑप्शन ट्रेडिंग को समझना इतना मुश्किल नहीं है और आप इसे धीरे-धीरे कई किताबें पढ़कर और ऑप्शन स्ट्रैटेजी का उपयोग शुरू करके सीख सकते हैं। आशा है कि आप इस लेख को पढ़कर कॉल और पुट के बीच के अंतर को समझ गए होंगे।

स्टॉक विश्लेषण

शेयर बाजार में निवेश अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बचत या निवेश के बिना न तो हम किसी वित्तीय आपात स्थिति का सामना कर सकते हैं, न ही हम अपनी शैक्षिक आवश्यकताओं, स्वयं और परिवार की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। हालांकि स्टॉक की दुनिया में कई उत्पाद उपलब्ध हैं, आइए इस लेख में इक्विटी निवेश के बारे में जानें। स्टॉक में निवेश करने से पहले सही स्टॉक चुनने की रणनीतियों को नियोजित किया जाना चाहिए। स्टॉक विश्लेषण कंपनी की वित्तीय स्थिति, इसकी विकास क्षमता और कई अन्य आवश्यक चीजों के बारे में एक स्पष्ट तस्वीर देता है जो आपको सही स्टॉक चुनने में मदद करेगा।

निवेश करने से पहले स्टॉक का विश्लेषण कैसे करें:

हमें कंपनी के शेयरों में पूरी तरह से रिसर्च करने के बाद ही निवेश करना चाहिए। स्टॉक का विश्लेषण करने के 2 तरीके हैं; तकनीकी और मौलिक विश्लेषण द्वारा। सबसे पहले, आइए हम स्टॉक रुझानों के तकनीकी विश्लेषण में तल्लीन हों। पिछले मूल्य आंदोलन का उपयोग करके स्टॉक की भविष्य की कीमत की भविष्यवाणी की जाती है। विशेष समय सीमा के आधार पर मूल्य चार्ट का उपयोग यह समझने के लिए किया जाता है कि भविष्य में स्टॉक कैसे आगे बढ़ेगा। समय चार्ट अलग-अलग हो सकते हैं जैसे कि 15 मिनट का चार्ट, प्रति घंटा चार्ट, दैनिक चार्ट, आदि। शेयर बाजार के तकनीकी विश्लेषण के मामले में कुछ धारणाएं हैं।

बाजार सब कुछ छूट:

इसका सीधा सा मतलब है कि स्टॉक के बारे में सभी जानकारी, निवेशकों की भावना, मुद्रास्फीति और अन्य सभी कारक पहले से ही स्टॉक की कीमत में अंतर्निहित हैं।

कीमतें रुझान में चलती हैं:

स्टॉक की कीमत हमेशा प्रवृत्ति की दिशा में चलती है।

इतिहास अपने आप को दोहराता है:

तकनीकी विश्लेषण में, चार्ट पैटर्न के आधार पर मूल्य आंदोलन की भविष्यवाणी की जाती है और यह माना जाता है कि बाजार सहभागियों हमेशा इसी तरह की घटनाओं के लिए उसी तरह प्रतिक्रिया करते हैं जो भविष्य में भी होने की संभावना है।

इंट्राडे के लिए स्टॉक का विश्लेषण कैसे करें:

इंट्राडे ट्रेडिंग में शामिल होने के दौरान कई पैरामीटर और रणनीतियां जाननी चाहिए। आइए इनके बारे में विस्तार से जानें।

तरल स्टॉक:

तरलता मुख्य कारक है जिसे आपको इंद्राडे ट्रेडिंग के लिए स्टॉक खरीदते समय ध्यान में रखना चाहिए। आपको लिक्विड स्टॉक खरीदना चाहिए, जिसमें भले ही आप अधिक मात्रा में खरीदारी करें, लेकिन कीमत प्रभावित नहीं होगी। लिक्विड स्टॉक वे होते हैं जिन्हें आसानी से बेचा जा सकता है और नकदी में बदला जा सकता है।

ज्यादा लालची न हों:

जब आप एक दिन के व्यापारी होते हैं, तो आपको स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि स्टॉक में कब प्रवेश करना है और कब बाहर निकलना है। एक बार जब आप मुनाफा कमाते हैं, तो आपको स्टॉक से बाहर निकलना होगा। इंद्राडे के मामले में टाइमिंग बहुत महत्वपूर्ण चीज है।

केवल अफवाहों के आधार पर व्यापार न करें:

केवल उन्हीं शेयरों में व्यापार करें जो मजबूत प्रवृत्ति का पालन करते हैं। किसी भी व्यापारी का मुख्य उद्देश्य नुकसान को कम करना और मुनाफे की रक्षा करना है। इसलिए अनुशासित दृष्टिकोण अपनाएं। केवल खबरों या अफवाहों के आधार पर शेयर न खरीदें। हर निर्णय से पहले एक उचित शोध करें।

किसी स्टॉक का मौलिक विश्लेषण कैसे करें?

मौलिक विश्लेषण के माध्यम से किसी स्टॉक के आंतरिक मूल्य का पता लगाया जा सकता है। एक निवेशक यह समझ सकता है कि स्टॉक का मूल्यांकन कम या अधिक है या नहीं। इस उद्देश्य के लिए, आपको कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट, बैलेंस शीट, लाभ और हानि खाता, विशेष रूप से कंपनी या क्षेत्र से संबंधित कोई भी समाचार पढ़ना चाहिए। मौलिक विश्लेषण स्टॉक के विभिन्न कारकों जैसे पीई अनुपात, ईपीएस, आदि को देखता है। डिविडेंड यील्ड, आदि। भारी कर्ज वाली कंपनी से बचना चाहिए। आपको कंपनी की पृष्ठभूमि और प्रबंधन और उन कारकों के बारे में पता होना चाहिए जो कंपनी पर बहुत प्रभाव डालेंगे। स्टॉक पर निर्णय लेने से पहले तकनीकी और मौलिक विश्लेषण के आधार पर किसी कंपनी का मूल्यांकन करना प्रत्येक निवेशक की जिम्मेदारी है।

शेयर बाजार की मूल बातें

क्या आपने कभी सोचा है कि शेयर और शेयर बाजार क्या होते हैं? आइए इस खंड में शेयर बाजार की मूल बातें जानें। हम में से प्रत्येक ने जीवन में लक्ष्यों को परिभाषित किया है और समय सीमा है जिसके द्वारा हमें इन लक्ष्यों को प्राप्त करना है। उदाहरण के लिए, आप विदेश में अध्ययन करने, कार खरीदने, घर बनाने आदि की योजना बना सकते हैं। इन्हें प्राप्त करने के लिए, आपको एक उचित वित्तीय योजना बनाने की आवश्यकता है। इससे मेरा मतलब है कि निवेश करना आपकी आदत बन गई है। वित्तीय संपत्ति या शेयर बाजार उच्च रिटर्न प्रदान करते हैं और इसलिए कम उम्र में निवेश करना शुरू करें और इसे लंबे समय तक नियमित रूप से करें।

आप अपनी जरूरत के हिसाब से शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए निवेश कर सकते हैं। अपनी जोखिम लेने की क्षमता, उम्र और निर्भरता के आधार पर आप शेयर बाजार में व्यापारी या निवेशक हो सकते हैं। चूंकि बाजार हमेशा जोखिम से जुड़े होते हैं, इसलिए आपको ध्यान से पढ़ना होगा। आज भारतीय शेयर बाजार में निवेश के विभिन्न विकल्प इक्विटी, म्यूचुअल फंड, एसआईपी, आईपीओ, बॉन्ड, डिबेंचर, डेरिवेटिव, कमोडिटी, करेंसी आदि हैं।

शेयर बाजार में निवेश कैसे करें?

डीमैट और ट्रेडिंग खाते:

तो शेयर बाजार में निवेश करने के लिए आपको क्या करना होगा? सबसे पहले, एक ब्रोकर के साथ ऑनलाइन डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलें और उसके साथ अपने बैंक खाते को लिंक करें। डीमैट खाता खोलना एक बहुत ही सरल और आसान प्रक्रिया है। एक बार आपके पास अपना डीमैट और ट्रेडिंग खाता होने के बाद, आप भारतीय शेयर बाजार में निवेश करना शुरू कर सकते हैं। आपके लिए स्टॉक एक्सचेंजों और उनके कार्यों से परिचित होना आवश्यक है। स्टॉक एक्सचेंज वह जगह है जहां शेयरों की खरीद और बिक्री होती है। स्टॉक एक्सचेंजों को सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। भारत के 2 महत्वपूर्ण स्टॉक एक्सचेंज एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) हैं।

अपने लक्ष्यों के अनुसार, निवेश के लिए विशेष वित्तीय संपत्ति चुनें। आपकी सभी जरूरतों के लिए भारतीय वन स्टॉप डेस्टिनेशन है। यदि आप नियमित आय और पूंजी के संरक्षण के बारे में अधिक चिंतित हैं, तो आप बांड जैसे ऋण साधनों का विकल्प चुन सकते हैं। यदि आप पूंजी वृद्धि चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं, तो इक्विटी आपके लिए एक है। किसी शेयर में निवेश करने से पहले, कंपनी, उसकी वित्तीय स्थिति, विकास की भविष्य की संभावनाओं आदि का पूरा अध्ययन करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको नीचे क्या करना है:

- अपने जीवन के लक्ष्यों को परिभाषित करें
- वित्तीय संपत्तियों के बारे में जानें
- अपनी जरूरत के अनुसार संबंधित संपत्ति चुनें
- नियमित रूप से निवेश करना शुरू करें
- अपने लक्ष्यों को पूरा करें

आशा है कि आपको शेयर बाजार का एक मूल विचार मिल गया होगा और इसलिए अब विभिन्न वित्तीय साधनों को समझने का समय आ गया है।

शेयर बाजार में निवेश करने के लिए स्टॉक के प्रकार

जब आप कोई शेयर खरीदते हैं, तो आप स्वामित्व के आधार पर एक सामान्य शेयरधारक या पसंदीदा शेयरधारक हो सकते हैं।

एक सामान्य शेयरधारक के रूप में, आपको शेयरधारक बैठकों में मतदान करने की अनुमति है और आप लाभांश प्राप्त करने के पात्र हैं। यदि जिस कंपनी में आपने निवेश किया है, वह दिवालिया हो जाती है, तो आपको सभी लेनदारों और पसंदीदा शेयरधारकों को भुगतान किए जाने के बाद ही परिसमापन की आय का हिस्सा प्राप्त होगा।

एक पसंदीदा शेयरधारक के रूप में, आपके पास वोटिंग अधिकार नहीं हो सकते हैं। लेकिन आम शेयरधारक को मिलने से पहले आपको लाभांश मिलेगा।

बाजार पूंजीकरण के आधार पर आप लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेश कर सकते हैं। बाजार पूंजीकरण = शेयर की कीमत * बकाया शेयरों की संख्या

बकाया शेयर वे शेयर होते हैं जिन्हें सार्वजनिक बाजारों में खरीदा और बेचा जा सकता है। मैं इसे एक उदाहरण के साथ समझाऊंगा। मान लीजिए कि एक कंपनी A के पास 100 बकाया शेयर हैं और शेयर की कीमत रु. 20, तो कंपनी का बाजार पूंजीकरण $20 \times 100 = \text{रु. } 2000$

लार्ज कैप स्टॉक:

ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित हैं और बाजार में उनकी मजबूत उपस्थिति है। टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसी कंपनियां इस श्रेणी में आती हैं। इन कंपनियों में निवेश करना कम जोखिम भरा होता है।

मिड कैप स्टॉक्स:

इन कंपनियों में बड़ी वृद्धि करने की क्षमता होती है और ये लार्ज कैप कंपनियों की तुलना में अपेक्षाकृत जोखिम भरी होती हैं।

स्मॉल कैप स्टॉक्स:

स्टार्ट अप इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं और उपरोक्त दोनों की तुलना में अत्यधिक जोखिम भरे होते हैं। उल्टा, वे रातोंरात एक सफल सफलता बन सकते हैं।

अगला आवश्यक पहलू जो आपको पता होना चाहिए वह है आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक पेशकश)। एक कंपनी आईपीओ के जरिए जनता से पैसा जुटाती है। यह अपने शेयरों को बेचता है ताकि इसके भविष्य के विकास के लिए पूंजी लाया जा सके। जब आप कंपाउंडिंग की शक्ति के कारण किसी शेयर में निवेश करते हैं तो आपकी उपज अधिक होती है। सरल शब्दों में, आज आपके द्वारा धारित शेयर की कीमत रु. 100, यदि आप लंबे समय तक शेयर रखते हैं तो यह दोगुना या तिगुना हो सकता है।

किसी को निवेश क्यों करना चाहिए?

किसी के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अप्रत्याशित खर्चों से बचाने के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह की सहेजी गई आय का उपयोग इस तरह से किया जाता है कि आगे की आय का सृजन सुनिश्चित हो।

हमेशा सलाह दी जाती है कि अपने निवेशों को समय-अवधि (लघु/मध्यम/लंबी) के आधार पर वर्गीकृत करें। किसी को जल्दी, नियमित रूप से और अधिमानतः लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

निवेश के विभिन्न विकल्पों को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में रखा जा सकता है:

1. भौतिक संपत्ति जिसमें रियल एस्टेट, सोना, आभूषण, कमोडिटी आदि शामिल हैं।
2. वित्तीय संपत्तियां जैसे बैंक जमा, डाकघर बचत, बीमा, पीपीएफ, ईपीएफ, इक्विटी, डेरिवेटिव, बांड, डिबेंचर, मुद्राएं आदि।

भौतिक संपत्ति को पारंपरिक भौतिक होल्डिंग्स, वायदा अनुबंध, डी-मैट फॉर्म, ईटीएफ आदि सहित कई तरीकों से एक्सेस किया जा सकता है, जबकि वित्तीय परिसंपत्तियों को वित्तीय संस्थानों जैसे बैंकों, बीमा कंपनियों और डाकघरों के पास रखा जा सकता है या दिया जा सकता है इक्विटी, डेरिवेटिव, करेंसी, कमोडिटी और बॉन्ड मार्केट में निवेश के संदर्भ में मार्केट एक्सपोजर के लिए। होल्डिंग के प्रत्येक तरीके के अपने फायदे और नुकसान हैं लेकिन इतने सारे विकल्प उपलब्ध होने के कारण, सभी प्रकार के निवेशकों को एक ऐसा उत्पाद खोजने में सक्षम होना चाहिए जो उनकी आवश्यकता से मेल खाता हो।

भौतिक होल्डिंग:

होल्डिंग का यह रूप अतरल है और डाउनट्रेंड के दौरान अच्छी कीमत प्राप्त करने में सक्षम है।

वायदा अनुबंध:

होल्डिंग का यह रूप लीवरेज के लाभ और भौतिक होल्डिंग्स के समान लाभ प्रदान करता है। इसके अलावा, वायदा अनुबंध के कई फायदे हैं जिनमें तरलता और बाजार में प्रवेश करने और बाहर निकलने में आसानी शामिल है।

विकल्प अनुबंध:

विकल्प बाजार तक पहुंचने के लिए बेहतर और कम जोखिम भरा तरीका हो सकता है, लेकिन अधिक जटिल भी हो सकता है और अस्थिरता के तत्वों और विभिन्न स्ट्राइक चालों को समझने के लिए अधिक अध्ययन की आवश्यकता होती है। विकल्प भविष्य के अनुबंधों जैसे समान उत्तोलन लाभों की अनुमति देते हैं और उपयोगकर्ताओं को अपने जोखिमों को बेहतर ढंग से परिभाषित करने में सक्षम बनाते हैं।

मुद्रा कारोबार कोष:

ईटीएफ कमोबेश उन शेयरों के समान हैं जिन्हें इक्विटी ट्रेडिंग अकाउंट द्वारा एक्सेस किया जा सकता है। ईटीएफ एक कागजी लेनदेन है जिसे भौतिक में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

स्टॉक ब्रोकिंग फर्म क्यों चुनें?

सफल रिटर्न के लिए निवेश के प्रबंधन में समर्थन प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। यहीं पर स्टॉक ब्रोकिंग फर्म की भूमिका की गणना होती है। स्टॉक ब्रोकिंग फर्म की सेवाओं का उपयोग करके निवेशकों को कई तरह से फायदा हो सकता है।

पेशेवर शोध रिपोर्टों के आधार पर, एक स्टॉक ब्रोकिंग फर्म आपके निवेश को निवेश करने, बढ़ने, प्रबंधित करने और बनाए रखने के बारे में विशेषज्ञ सलाह दे सकती है।

रिकॉर्ड कीपिंग स्टॉक ब्रोकिंग फर्मों द्वारा दिए जाने वाले लाभों में से एक है। फर्म व्यापार पुष्टिकरण, विवरण, वर्ष के अंत कर रिपोर्टिंग विवरण, जमा, निकासी और अन्य गतिविधियों के रिकॉर्ड बनाए रखते हैं।

एक प्रतिष्ठित ब्रोकिंग हाउस से जुड़कर आप व्यक्तिगत और पेशेवर सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

इक्विटी के अलावा, ब्रोकिंग फर्म निवेश के अन्य अवसर प्रदान करती हैं। इनमें म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, विकल्प आदि शामिल हैं।

संजात (Derivatives)

स्टॉक मार्केट्स और इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स की बुनियादी बातों पर एक उचित विचार प्राप्त करते हुए, अब हम वित्तीय बाजारों में कुछ व्यापक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

संजात

व्युत्पन्न एक वित्तीय उत्पाद है जिसका मूल्य अंतर्निहित परिसंपत्तियों से प्राप्त होता है। अंतर्निहित परिसंपत्तियां इक्विटी, सूचकांक, मुद्राएं, वस्तुएं, बांड आदि हो सकती हैं। डेरिवेटिव उत्पादों को शुरू में कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव के खिलाफ हेजिंग उपकरणों के रूप में विकसित किया गया था। वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के कारण वित्तीय डेरिवेटिव 1970 के बाद अस्तित्व में आए और तब से, वित्तीय डेरिवेटिव बहुत लोकप्रिय हो गए हैं और कुल लेनदेन का दो-तिहाई हिस्सा उनका है। वित्तीय बाजारों के निवेशकों को उनके निवेश के समय के आधार पर व्यापक रूप से वर्गीकृत किया जाता है।

डेरिवेटिव मूल रूप से हेजिंग और ट्रेडिंग इंस्ट्रूमेंट है। मार्जिन आधारित ट्रेडिंग इंस्ट्रूमेंट होने के नाते, यह अच्छा उत्तोलन अवसर प्रदान करता है जो अंततः अटकलों को जन्म देता है।

एक वायदा अनुबंध निर्दिष्ट मूल्य पर और निर्दिष्ट तिथि पर या उससे पहले अंतर्निहित राशि को खरीदने या बेचने का अधिकार देता है। वायदा अनुबंध के दोनों पक्षों को अनुबंध का प्रयोग करना चाहिए जब तक कि वे निपटान तिथि पर या उससे पहले सुपुर्दगी योग्य न हों।

फ्यूचर्स ट्रेडिंग की विशेषताएं:

पोजीशन लेने के लिए अनुबंध मूल्य की प्रारंभिक मार्जिन राशि की आवश्यकता होती है, जिसका निर्धारण स्पैन प्लस एक्सपोजर मार्जिन के आधार पर एक्सचेंज द्वारा किया जाता है।

मार्क-टू-मार्केट लाभ/हानि को दैनिक आधार पर समायोजित किया जाएगा।

अनुबंध के अंतिम कारोबारी दिन तक पदों को चुकता करने की आवश्यकता होती है, जिसके विफल होने पर एक्सचेंज उन पदों को बंद कर देगा।

इंडेक्स फ्यूचर्स में इंडेक्स अंडरलाइंग होते हैं।

ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध विभिन्न परिपक्वता के अनुबंधों को चालू माह (1 माह), निकट माह (2 माह) और दूर माह (3 माह) अनुबंध कहा जाता है। जिस महीने में अनुबंध समाप्त होता है उसे अनुबंध माह कहा जाता है।

विकल्प

यह खरीदार को बिना किसी दायित्व के अंतर्निहित को खरीदने या बेचने का अधिकार देता है। जबकि एक विकल्प का खरीदार प्रीमियम का भुगतान करता है और इस तरह अपने विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार प्राप्त करता है, एक विकल्प के विक्रेता या लेखक को विकल्प प्रीमियम प्राप्त होता है और इस प्रकार यदि खरीदार अपने अधिकारों का प्रयोग करता है तो संपत्ति को बेचने/खरीदने के लिए बाध्य हो जाता है।

जबकि "कॉल ऑप्शन" खरीदार को अधिकार देता है, लेकिन भविष्य की तारीख से पहले दिए गए मूल्य पर अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने का दायित्व नहीं, "पुट ऑप्शन" खरीदार को अधिकार देता है लेकिन अंतर्निहित परिसंपत्ति को बेचने का दायित्व नहीं देता है। भविष्य में एक निश्चित कीमत पर।

कॉल और पुट ऑप्शंस को खरीदने के लिए प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता है और ट्रेडर्स को भुगतान किए गए प्रीमियम के आकार तक सीमित जोखिम के लिए एक्सपोज करना होता है जबकि ऑप्शंस को बेचने/लिखने के लिए मार्जिन का भुगतान करना पड़ता है और फ्यूचर्स मार्केट के समान जोखिम को उजागर करना पड़ता है।

विकल्पों की शैली

यूरोपीय विकल्पों का ही प्रयोग किया जा सकता है यानी अनुबंध की समाप्ति तिथि पर विकल्प के खरीदार द्वारा डिलीवरी ली जा सकती है।

अमेरिकन ऑप्शंस का प्रयोग किया जा सकता है अर्थात्, खरीदार द्वारा समाप्ति तिथि पर या उससे पहले किसी भी समय डिलीवरी ली जा सकती है।

अनुबंध चक्र:

अनुबंध चक्र वह अवधि है जिस पर एक अनुबंध व्यापार करता है। एनएसई पर इंडेक्स फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स में एक महीने, दो महीने और तीन महीने का एक्सपायरी साइकल होता है।

विकल्प रणनीतियाँ

अंडरलाइंग पर लॉन्ग/बुलिश डायरेक्शनल व्यू रखने वाला ट्रेडर कॉल ऑप्शन खरीद सकता है या शॉर्ट पुट ऑप्शन लिख सकता है। इसी तरह, एक ट्रेडर जिसका अंडरलाइंग पर शॉर्ट/मंदी का दिशात्मक दृष्टिकोण है, कॉल ऑप्शन को सॉर्ट/राइट कर सकता है या पुट ऑप्शन को लॉन्ग/बाय कर सकता है।

इसके अलावा, हमारे पास संयोजन रणनीतियाँ हैं जो बहुत उपयोगी होती हैं जब बाजार का दृश्य मध्यम रूप से तेजी / मंदी, सीमाबद्ध या अनिश्चित होता है और इसका उद्देश्य विकल्प प्रीमियम के समग्र भुगतान को कम करना होता है। उपकरणों में शामिल हैं, बुल एंड बियर कॉल-पुट स्प्रेड, स्ट्रैंगल, स्ट्रैडल, बटरफ्लाई, कवर्ड एंड प्रोटेक्टिव कॉल एंड पुट आदि।

हेजिंग:

हेजिंग निवेश में निहित जोखिम को कम करने की एक रणनीति है।

अनुमान:

यह कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ कम समय में लाभ कमाने के उद्देश्य से ट्रेडिंग रणनीति है।

डेरिवेटिव के लाभ:

हेजिंग: यह भविष्य की कीमत अनिश्चितताओं से बचाव करने में मदद करता है

उत्तोलन: चूंकि आवश्यक मार्जिन बहुत कम है, यह उच्च व्यापार जोखिम की अनुमति देता है

संभावित रिटर्न: बाजार की स्थितियों के बावजूद, कोई भी पैसा कमा सकता है

लंबी पोজीशन लेना: यह अन्य मार्जिन उत्पादों में पेश किए गए 1-3 दिनों के मुकाबले 3 महीने तक का समय देता है



शेयर मार्केट टिप्स

अलग-अलग निवेशक अलग-अलग निवेश लक्ष्यों के साथ शेयर बाजार में प्रवेश करते हैं। कुछ त्वरित और उच्च रिटर्न की उम्मीद करते हैं और कुछ लंबी अवधि के निवेश और एक मजबूत संतुलित पोर्टफोलियो के लिए लंबे समय तक। हालांकि, प्रत्येक निवेशक को अस्थिरता से सुरक्षा के लिए निवेश यात्रा के दौरान कुछ शेयर बाजार युक्तियों का पालन करना चाहिए।

यहां हमारे द्वारा सुझाए गए सर्वोत्तम शेयर बाजार युक्तियों की सूची दी गई है:

- लक्ष्य बनाना
- जोखिम सहनशीलता को समझें
- सही स्टॉक चुनें
- भावनाओं पर नियंत्रण रखें
- मूल बातें समझें
- निवेश में विविधता लाएं
- शेयर मार्केट टिप: लक्ष्य निर्धारित करें

निवेश के सर्वोत्तम सुझावों में से एक लक्ष्य के साथ निवेश करना है। किसी भी निवेश को शुरू करने से पहले, उसे एक अल्पकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य से जोड़ने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। यह निवेश की अवधि, लक्ष्य राशि आदि के बारे में बेहतर स्पष्टता देता है। यदि आपको कम अवधि में निवेश रिटर्न की आवश्यकता है, तो आप निवेश के अन्य साधनों पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपके पास निवेश की लंबी अवधि है, तो इक्विटी में निवेश करने से आपको सबसे अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

शेयर बाजार युक्ति: जोखिम सहनशीलता को समझें

शेयर बाजार की अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए, किसी भी निवेश के लिए पहले अपने जोखिम सहनशीलता को समझने की सलाह दी जाती है। जोखिम सहनशीलता निवेश यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और निवेशक से निवेशक में भिन्न होता है। यह अनिवार्य रूप से बाजार के उतार-चढ़ाव और निवेश के मूल्य पर इसके प्रभावों को सहन करने की क्षमता है। एक निवेशक की कम जोखिम सहनशीलता या तो नुकसान की भूख या अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाले बाजार के दौरान चिंता को सहन करने की क्षमता पर निर्भर करती है। कम जोखिम वाले निवेशक अक्सर अपनी प्रतिभूतियों को गलत समय पर बेचने से घबरा जाते हैं।

शेयर मार्केट टिप: सही स्टॉक चुनें

पेनी स्टॉक्स और वर्ड ऑफ माउथ के आधार पर किसी भी स्टॉक में निवेश करने से बचना चाहिए। बल्कि रिसर्च और कंपनी के मजबूत प्रदर्शन के आधार पर शेयरों में निवेश करना चाहिए। इस शेयर बाजार टिप का एक और अतिरिक्त लाभ यह है कि मजबूत प्रदर्शन वाली कंपनियां बाजार के उतार-चढ़ाव का बेहतर ढंग से सामना कर सकती हैं और लंबे समय में निवेश पर बेहतर रिटर्न की मजबूत संभावनाएं देती हैं।

शेयर मार्केट टिप: भावनाओं पर नियंत्रण रखें

शेयर बाजार में निवेश के रास्ते में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है निवेशकों की निर्णय लेने में भावनाओं को नियंत्रित करने में असमर्थता। समग्र बाजार प्रदर्शन और कंपनियों की कीमतें अल्पावधि में निवेशकों की भावनाओं को दर्शाती हैं। यह अक्सर झुंड की मानसिकता का कारण बनता है, जहां निवेशक का निर्णय अन्य निवेशकों के कार्यों से अत्यधिक प्रभावित होता है, न कि तार्किक रूप से निर्णय लेने के लिए स्थिति का विश्लेषण करने के बजाय। विशेषज्ञ स्टॉक में निवेश करने की सलाह तब देते हैं जब आपके पास भविष्य में स्टॉक के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करने और निवेश से बाहर निकलने का लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए कारण हों। दूसरे शब्दों में, एक खरीद और बिक्री रणनीति सबसे अधिक आयात शेयर बाजार युक्तियों में से एक है।

शेयर मार्केट टिप: मूल बातें समझें

किसी भी निवेश साधन में निवेश करने से पहले उसकी मूल बातें समझने के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। आम तौर पर, निवेशक शेयर बाजार की मूल बातें, उसके कार्य और रणनीतियों को समझने से बचते हैं या उनमें निवेश करने से पहले कंपनियों की शोध रिपोर्ट या प्रदर्शन रिपोर्ट पढ़ने से बचते हैं, क्योंकि इसमें जटिल संख्या भाषा और तकनीकी शब्दावली शामिल होती है। हालांकि, निवेशक यह समझने में विफल रहते हैं कि शब्दावली और रणनीतियों को समझने में एक बार किया गया प्रयास एक बार बुद्धिमान और सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप बेहतर रिटर्न मिल सकता है।

शेयर मार्केट टिप: निवेश में विविधता लाएं

जबकि सभी निवेशक विभिन्न निवेश साधनों में निवेश में विविधता लाने और एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतते हैं, निवेशक अक्सर इक्विटी निवेश में विविधता लाने के महत्व को नजरअंदाज कर देते हैं। इक्विटी निवेश में विविधता लाने का तात्पर्य विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में निवेश करना है। एक डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो स्विंग के प्रभाव को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है क्योंकि अक्सर एक सेक्टर का डाउनट्रेंड दूसरे के लिए अपट्रेंड का कारण बनता है।

करने योग्य

- हमेशा सेबी और स्टॉक एक्सचेंज पंजीकृत बाजार मध्यस्थों को प्राथमिकता दें
- अपने एजेंट, दलाल या मध्यस्थ के साथ स्पष्ट संचार सुनिश्चित करें।
- निवेश करने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।
- आदेश देने से पहले कंपनी की साख, प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी की जाँच करें।
- तेजी से उतार-चढ़ाव दिखाने वाले शेयरों से सावधान रहें।
- उचित शोध और विश्लेषण के साथ निवेश संबंधी निर्णय लें।

नहीं करने योग्य :

- गैर-पंजीकृत दलालों, उप-दलालों विचौलियों के साथ व्यवहार न करें।
 - झुंड की मानसिकता, मीडिया रिपोर्ट्स या अटकलों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।
 - किसी भी दस्तावेज़ के नियमों और शर्तों को स्पष्ट रूप से समझे बिना उस पर हस्ताक्षर/सबमिट न करें।
 - निवेश के फैसलों की नकल न करें।
 - भावनाओं के अनुसार निवेश न करें।
 - प्रतीक्षा और समय बाजार मत करो।
-

भारत में सबसे ज्यादा लाभांश देने वाले शेयरों की सूची:

इस अस्थिर दुनिया में सुरक्षित भविष्य के लिए निवेश बहुत जरूरी है। आप शायद जानते होंगे कि अगर आप किसी कंपनी में लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं, तो आपको उच्च प्रतिफल मिलेगा। लेकिन इसके अलावा किसी कंपनी में निवेश करने से आपको और क्या लाभ होता है? लाभांश, बोनस, राइट्स इश्यू आदि अन्य लाभ हैं जिनका आप लाभ उठा सकते हैं। आप किसी कंपनी का शेयर खरीद सकते हैं और कई वर्षों के बाद उसे बेच सकते हैं जब आपको लगता है कि यह सही समय है और यह आपकी आवश्यकताओं और जीवन भर के लक्ष्यों पर भी निर्भर करता है। इससे पहले कि आप किसी कंपनी में निवेश करना शुरू करें, कंपनी का पूरा अध्ययन करें। कंपनी की वित्तीय स्थिति की स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए इसकी बैलेंस शीट, इसकी भविष्य की विकास संभावनाओं आदि का विश्लेषण करें।

आपको सही कंपनी चुनने में सावधानी बरतनी होगी। सही निवेश निर्णय लेने के लिए कंपनी की निगरानी करना आवश्यक है। ऐसे कई कारक हैं जो शेयर की कीमत को प्रभावित कर सकते हैं। में जो कुछ भी होता है उससे अपडेट रहना बेहद जरूरी है। जैसे-जैसे कंपनी बढ़ती है, शेयर का मूल्य भी बढ़ता है। इस लेख में, आप लाभांश के बारे में समझ पाएंगे। आपको उच्च लाभांश उपज वाले शेयरों में निवेश करना होगा ताकि आप कंपनी से लाभांश प्राप्त करने के माध्यम से नियमित रूप से लाभान्वित हो सकें।

लाभांश (डिविडेंड) क्या है?

लाभांश एक कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों को अपनी लाभ आय से वितरित नकद है। कंपनी लाभांश प्रदान किए बिना अपने मुनाफे को व्यापार में भी पुनर्निवेश करने का निर्णय ले सकती है। लाभांश कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा तय किए जाते हैं और इसे शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया जाना है। लाभांश का भुगतान त्रैमासिक या वार्षिक किया जाता है।

लाभांश क्या है

भाग प्रतिफल:

डिविडेंड यील्ड प्रति शेयर भुगतान किए गए लाभांश का वर्तमान बाजार मूल्य से अनुपात है।

लाभांश प्रतिफल = प्रति शेयर नकद लाभांश/शेयर का बाजार मूल्य*100

रिकॉर्ड तिथि और पूर्व तिथि:

एक कंपनी जो नियमित लाभांश प्रदान करती है वह एक वित्तीय रूप से मजबूत कंपनी है। अन्य शर्तें जो आपको जाननी चाहिए वे हैं रिकॉर्ड तिथि और पूर्व तिथि। रिकॉर्ड तिथि - इस विशेष तिथि पर कंपनी में शेयर रखने वाले शेयरधारक लाभांश भुगतान के लिए पात्र हैं। पूर्व लाभांश तिथि- यह आमतौर पर रिकॉर्ड तिथि से एक दिन पहले होती है। अगर आप एक्स डेट पर या उसके बाद शेयर खरीदते हैं तो आपको डिविडेंड नहीं मिलेगा।

लाभांश भुगतान अनुपात:

यह शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित शुद्ध आय का प्रतिशत है। ऐसी कंपनी में निवेश करना बुद्धिमानी नहीं है जिसका लाभांश भुगतान अनुपात 100% से अधिक है क्योंकि व्यवसाय लंबे समय में अस्थिर हो जाएगा।

अब, सबसे अधिक लाभांश देने वाले शेयरों पर नजर डालते हैं।

SL No.	Company Name	PE Ratio	Dividend Yield
1	Coal India Limited	7.54	10.34%
2	Indian Oil Corporation Limited	4.91	10.36%
3	Rural Electrification Corporation Limited	3.19	9.39%
4	Power Finance Corporation Limited	2.76	8.14%
5	Hindustan Petroleum Corporation Limited	3.95	7.84%
6	PTC India Limited	7.28	6.79%
7	NMDC Limited	6.32	5.74%
8	Majestic Auto Limited	6.98	5.61%
9	HUDCO Limited	5.04	5.48%
10	Geekay Wires Limited	12.90	5.26%

तकनीकी विश्लेषण

यह मांग और आपूर्ति के प्रतिनिधित्व से संबंधित है जो तकनीशियनों का मानना है कि मूल्य पैटर्न के संदर्भ में परिलक्षित होता है।

यह भविष्य के मूल्य आंदोलनों की भविष्यवाणी करने के लिए पिछले मूल्य और वॉल्यूम डेटा (जो चार्ट पैटर्न में परिलक्षित होता है) की जांच करता है।

चार्ट पैटर्न के साथ, तकनीशियन प्रमुख तकनीकी संकेतकों के प्रदर्शन को भी देखते हैं ताकि प्रचलित बाजार की प्रवृत्ति या संभावित प्रवृत्ति उलट हो सके।

तकनीकी विश्लेषण नीचे दी गई मान्यताओं पर आधारित है;

1. बाजार छूट सब कुछ
2. मूल्य प्रवृत्तियों में चलता है
3. इतिहास खुद को दोहराता है

मौलिक विश्लेषण अपेक्षाकृत लंबी अवधि का दृष्टिकोण लेता है क्योंकि वे जिस डेटा का विश्लेषण करते हैं वह लंबी अवधि में जारी किया जाता है। वित्तीय विवरण त्रैमासिक रूप से दायर किए जाते हैं और प्रति शेयर आय में परिवर्तन मूल्य और मात्रा की तरह दैनिक आधार पर नहीं होता है।

मौलिक विश्लेषण की तुलना में तकनीकी विश्लेषण प्रकृति में कम अवधि का है। सामान्य तौर पर, तकनीकी विश्लेषण का उपयोग व्यापार के लिए किया जाता है जबकि मौलिक विश्लेषण का उपयोग निवेश के लिए किया जाता है।

तकनीकी उपकरण:

सापेक्ष शक्ति सूचकांक (आरएसआई):

इसकी गणना 'एन' अवधि के दौरान अप-क्लोज़ के औसत को लेकर और पिछले 'एन' दिनों के दौरान डाउन-क्लोज़ के औसत से विभाजित करके की जाती है।

$$\text{आरएसआई} = 100 - 100 / (1 + \text{रूपये})$$

आम तौर पर जब आरएसआई 70 से ऊपर उठता है और 30 से नीचे गिरने पर ओवरसोल्ड तक पहुंच जाता है, तो कीमत आमतौर पर ओवरबॉट स्तर तक पहुंच जाती है।

औसत दिशात्मक सूचकांक (ADX):

यह एक ट्रेड लाइन इंडिकेटर है जिसका इस्तेमाल मौजूदा ट्रेड की ताकत को मापने के लिए किया जाता है। यह दो मूल्य आंदोलनों के उपायों का संयोजन है; सकारात्मक दिशात्मक संकेतक (+DI) और नकारात्मक दिशात्मक संकेतक (-DI)। +DI अपवर्ड ट्रेड की ताकत को मापता है जबकि -DI डाउनवर्ड ट्रेड की ताकत को मापता है। एडीएक्स लाइन के साथ ये दो उपाय भी प्लॉट किए गए हैं। 0 और 100 के बीच के पैमाने पर मापा गया, 20 संकेतों से नीचे पढ़ना एक कमजोर प्रवृत्ति है, जबकि 40 संकेतों से ऊपर पढ़ना एक मजबूत प्रवृत्ति है।

बोलिंगर बैंड:

इसमें मूविंग एवरेज और 2 S. D. चार्टेड एक लाइन ऊपर और एक लाइन मूविंग एवरेज के नीचे होते हैं। प्रतीकात्मक रूप से,

$20 \text{ डीएमए} + 2 \text{ एसडी} = \text{अपर बैंड}; 20 \text{ डीएमए} - 2 \text{ एसडी} = \text{निचला बैंड।}$

इस प्रकार, बोलिंगर बैंड सिद्धांत के अनुसार, कीमतें एक निश्चित सीमा के भीतर ही रहेंगी, जो हाल की कीमत कार्रवाई से निर्धारित होती है।

ऊपरी बैंड आमतौर पर इंगित करता है कि बाजार ओवरबॉट क्षेत्र में पहुंच गया है और इसलिए कीमत में नीचे की ओर उलट होने की संभावना है, जबकि निचला बैंड बाजार को ओवरसोल्ड क्षेत्र में पहुंच गया है और इसलिए संभावित ऊपर की ओर उलट है।

मूविंग एवरेज (एमए):

यह एक निश्चित अवधि की औसत कीमत है। इसे मूविंग एवरेज कहा जाता है क्योंकि यह समान समय माप का पालन करते हुए नवीनतम औसत को दर्शाता है।

मूविंग एवरेज का इस्तेमाल अलग-अलग टाइम फ्रेम के दो एवरेज को मिलाकर किया जाता है: जिसमें, बाय सिग्नल का पता तब चलता है जब शॉर्ट टर्म मूविंग एवरेज लॉन्ग टर्म मूविंग एवरेज से ऊपर हो जाता है या इसके विपरीत।

मूविंग एवरेज कन्वर्जेंस एंड डाइवर्जेंस (एमएसीडी):

यह दो एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज के बीच उतार-चढ़ाव की डिग्री को मापता है। आदर्श रूप से, 12 दिनों के अल्पकालिक ईएमए और 26 दिनों के दीर्घकालिक ईएमए के बीच।

खरीद/बिक्री संकेत बनाने के लिए, एमएसीडी पर 9 दिनों के ईएमए की गणना की जाती है। प्रतीकात्मक रूप से,

$\text{एमएसीडी} = \text{शॉर्ट टर्म ईएमए (12)} - \text{लॉन्ग टर्म ईएमए (26)}$

एमएसीडी ट्रेंड लाइन के ऊपर / नीचे को पार करता है जो ट्रेंड की शुरुआत या अंत का सुझाव देता है।

फाइबोनैचि रिट्रेसमेंट:

इसका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि अंतर्निहित प्रवृत्ति से मूल्य कितनी दूर और पीछे हट गया है। रिट्रेसमेंट स्तर हैं; 38.2%, 50% और 61.8%। फाइबोनैचि श्रृंखला शून्य से शुरू होने वाली

संख्याओं का एक क्रम है और इस तरह रखा जाता है कि श्रृंखला में किसी भी संख्या का मान पिछली दो संख्याओं का योग हो।

फाइबोनैचि अनुक्रम इस प्रकार है:

0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13, 21, 34, 55, 89, 144, 233, 377, 610...

निम्नलिखित पर नजर डालें:

$$233 = 144 + 89$$

$$144 = 89 + 55$$

$$89 = 55 + 34$$

फाइबोनैचि श्रृंखला की दिलचस्प विशेषताएं:

श्रृंखला में किसी भी संख्या को पिछली संख्या से विभाजित करें; अनुपात हमेशा लगभग 1.618 होता है।

उदाहरण के लिए:

$$610/377 = 1.618$$

$$377/233 = 1.618$$

$$233/144 = 1.618$$

1.618 के अनुपात को स्वर्ण अनुपात माना जाता है, जिसे फी भी कहा जाता है। अनुपात गुणों में आगे, कोई उल्लेखनीय स्थिरता प्राप्त कर सकता है जब फाइबोनैचि श्रृंखला में एक संख्या को उसके तत्काल बाद की संख्या से विभाजित किया जाता है।

उदाहरण के लिए:

$$89/144 = 0.618$$

$$144/233 = 0.618$$

$$377/610 = 0.618$$

इसी तरह की स्थिरता तब पाई जा सकती है जब फाइबोनैचि श्रृंखला में किसी भी संख्या को दो स्थानों से अधिक संख्या से विभाजित किया जाता है।

उदाहरण के लिए:

$$13/34 = 0.382$$

$$21/55 = 0.382$$

$$34/89 = 0.382$$

0.382 जब प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है तो 38.2% होता है

साथ ही, जब फाइबोनैचि श्रृंखला में किसी संख्या को 3 स्थान ऊपर वाली संख्या से विभाजित किया जाता है, तो उसमें निरंतरता होती है।

उदाहरण के लिए:

$$13/55 = 0.236$$

$$21/89 = 0.236$$

$$34/144 = 0.236$$

$$55/233 = 0.236$$

0.236 जब प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है तो 23.6% होता है।

ये रिट्रेसमेंट स्तर व्यापारियों को प्रवृत्ति की दिशा में नए पदों में प्रवेश करने का एक अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। फाइबोनैचि अनुपात यानी 61.8%, 50%, 38.2%, और 23.6% व्यापारियों को रिट्रेसमेंट की संभावित सीमा की पहचान करने में मदद करते हैं। ट्रेडर इन स्तरों का उपयोग नई स्थिति में प्रवेश करने या मौजूदा स्थिति के विरुद्ध स्टॉप लॉस रखने के लिए कर सकता है।

डॉव सिद्धांत:

इसमें कहा गया है कि प्रतिभूति बाजार का प्रदर्शन तीन चक्रीय प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है, प्राथमिक जो दीर्घकालिक प्रवृत्ति या चाल है जो बुल या भालू बाजार की पुष्टि करती है, द्वितीयक या मध्यवर्ती प्रवृत्ति जो अंतर्निहित प्रवृत्ति से अल्पकालिक विचलन और लघु या तृतीयक प्रवृत्ति के कारण होती है। किसी भी दिशा में दैनिक उतार-चढ़ाव।

डॉव थ्योरी का उपयोग बाजार में और साथ ही व्यक्तिगत सुरक्षा में प्रवृत्ति और उलटफेर को इंगित करने के लिए किया जाता है। मूल सिद्धांत यह है कि ट्रेड किए गए शेयरों की प्रवृत्ति और मात्रा के बीच एक सकारात्मक संबंध है।

इलियट वेव थ्योरी:

इलियटिशियंस पैटर्न वाली लहर में मूल्य आंदोलनों को वर्गीकृत करते हैं जो भविष्य के मूल्य लक्ष्य और उलट होने का संकेत देते हैं।

प्रवृत्ति के साथ चलने वाली तरंगों को 5 प्राथमिक और 3 माध्यमिक प्रवृत्तियों में आवेगी तरंगें कहा जाता है। आठ तरंगों की गति में एक पूर्ण तरंग चक्र शामिल होता है।

एक बार अनुक्रम पूरा हो जाने के बाद, पैटर्न इन्हीं मूल पैटर्न के बड़े और छोटे संस्करण में दोहराता है। भालू बाजार के लिए भी यही सच है जिसमें पैटर्न उलटा है पांच लहरों की गिरावट के बाद तीन लहरों की रैली होती है।

इलियट वेव्स की कुंजी प्रश्न में तरंग संदर्भ को खोजने में सक्षम होना है।

इलियटिशियंस लहरों के ऊपर और नीचे की भविष्यवाणी करने के लिए फिबोनासी श्रृंखला का उपयोग करते हैं।

चार्ट प्रकार और पैटर्न:

व्यापारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले चार मुख्य प्रकार के चार्ट हैं; बार चार्ट, कैंडलस्टिक चार्ट और लाइन चार्ट।

बार चार्ट:

बार चार्ट में ओपन, हाई, लो और क्लोज सहित सभी चार मूल्य घटक होते हैं। बार चार्ट पर शुरुआती कीमत को वर्टिकल बार के बाईं ओर डैश के रूप में दिखाया जाता है जबकि क्लोजिंग प्राइस को वर्टिकल बार के बाईं ओर डैश के रूप में दिखाया जाता है।

कैंडलस्टिक चार्ट:

कैंडलस्टिक चार्ट बार चार्ट के समान है लेकिन अधिक नेत्रहीन जानकारी है। मोमबत्तियों के दो अलग-अलग रंग हैं जिनमें खाली मोमबत्ती तेजी का प्रतिनिधित्व करती है जबकि भरी हुई मोमबत्ती मंदी का प्रतिनिधित्व करती है।

यह समय की निर्धारित अवधि में स्टॉक की केवल समापन कीमतों का प्रतिनिधित्व करता है। एक निश्चित समय सीमा में क्लोजिंग प्राइस को जोड़कर लाइन बनाई जाती है।

लाइन चार्ट उच्च, निम्न और शुरुआती कीमतों जैसी ट्रेडिंग रेंज की दृश्य जानकारी नहीं देते हैं।

हालांकि, समापन मूल्य को अक्सर दिन के लिए सबसे महत्वपूर्ण मूल्य माना जाता है।
